1. प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी रूचि के अनुसार एक राग की सम्पूर्ण प्रस्तुति एवं भजन/ धुन का प्रस्तुतीकरण करना होगा। अंक : 20
2. परीक्षक द्वारा दिये गये राग में विलम्बित ख्याल अंक : 05
3. तबले पर ताल की प्रस्तुति अंक : 05
4. रागों का तुलनात्मक अध्ययन अंक : 05
5. वार्षिक मूल्यांकन अंक : 05

नोट : प्रायोगिक द्वितीय की परीक्षा में विद्यार्थी को उसकी इच्छानुसार कोई राग नहीं पूछी जायेगी।

INDIAN MUSIC- Pt- III
(Vocal & Instrumental)

Scheme :

Theory Paper	Min. Pass Marks 29		Max. Marks 80
Theory Paper	4 Hours Per Week	3 Hours Duration	Marks 80
Practical Ist & 2nd	10 Hours Per Week 6 + 4 Hrs. respectively	Min. Marks :44	Max. Marks 120(80+40)

Theory Paper – "PRINCIPLES AND KNOWLEDGE OF INDIAN MUSIC"(Vocal & Instrumental)

Max.Marks : 80 Time: 3 Hrs.

Note : The question paper will contain three sections as under :

Section -A : One compulsory question with ten parts, with 2 parts from each unit. Short answer, in 20 words each. Total Marks: 10

Section - B : 10 questions with 2 questions each unit ; 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks: 40

Section - C : 04 questions (questions may have sub divisions) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type; answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total Marks: 30

Unit – I

1. Comparative Study of ragas of the prescribed course.
2. To write Theka of following tal in Dugun Tigun & Chaugun:Sooltal Adachautal, panjabi, Dhamar, Teevra, Rupak, Ektal, Jhaptal.
3. Notation : Writing of Composition of prescribed course.
4. Aim of music education in Universities.

Unit – II

1. Historical study of Rag Classification in details (Matang to Modern period)
2. Qualities of Good Music Listeners.
3. Major & Minor Scale of Western Music.
4. Frequencies of Shuddha & Vikrit notes of Indian & Western Music.

Unit-III

1. Description of following Gharana's Agra, Gwalior, Kirana, Senia
2. Utility of Gharana in the present context.

Helpstudentpoint.com

3. Contribution of the following artists:- Pt. Nikhil Banarjee. Pt. Omkar Nath Thakur, Ustad Ali Akbar Khan. Pt. S.N. Ratanjankar.

Unit-IV

1. Utility of music in Society.
2. Contribution of woman musicians in the field of music.
3. Utility of time theory
4. Raga & Rasa.

Unit-V

1. Folk Music with special reference to Gujarat, Madhya Pradesh,Uttar Pradash, Punjab & Haryana.
2. Qualities of good music performer & performance.
3. Professional dimensions of music.
4. Classification of musical instrument.

PRACTICAL-I

Max. Marks: 80 6 hrs period per week

Note : Question paper will be set on the spot by the mutual consultation of Internal and external Examiner.

Ragas Prescribed :

1. To sing/ play slow Khyal gat and a fast Khyal gat of the candidate choice in any two ragas. Marks 20
2. To sing/play slow Khyal./gat of examiner's choice. Marks 15
3. To sing/play fast Tarana/gat of examiner's choice. Marks 15
4. To sing a dhrupad or Dhamar with Layakaris / Alap with special practice in meend. Gamak, Krinatan, Zazama. Marks 10
5. To play Thekas on Tabla./ Tunning of Instrument Tanpura/Sitar. Marks 10
6. To sing/play given combinations or recognize etc. Marks 05
7. Analatical Study of Rag based Light Music Marks 05

Ragas prescribed :

Jaijaiwanti, Purvi, Patdeep, basant, Puriya, Bihag, Jounpuri, Shudha Sarang, Sudha Kalyan, Gaud Malhar, Bahar.

Instructions for students offering Vocal Music:

1. To the accompaniment of Table to sing slow & drut khayal with sufficient varieties of Alaps and Tans in any two Ragas.
2. To sing drut khyals in any six ragas not selected under Clause I.
3. To sing Dhrupad & Dhamar with sufficient Layakaris in two Ragas not selected under Clause I and II
4. To sing a Tarana in any Raga.

Instructions for students offering Instrumental Music:

1. To the accompaniment of Tabla to play slow and fast gat with sufficient alaps & Tans with variety in any two Ragas from prescribed Ragas.

Helpstudentpoint.com

2. To Play fast gat any six Ragas not selected under Clause I.
3. To play Alaps with special practice in meend, krintan, Gamak, Jamjama in any two Ragas. Not selected under Clause I and II
4. To play three gat in any Raga Composed in Roopak Jhaptal, Dadara & Ektal.

Common Instructions:

1. To play Thekas on Tabla of the following Talas, Choutal. Jhumara, Tilwada.
2. Practice of Tunning of the Instrument which offered.

Books Recommended:

1. Pt. Bhatkhande Krmik Pustak malika part –I, II, III and IV
2. Rag Darshan _ II : Manik Bhua Thakurdas.
3. Abhinav Raag Manjari by Pt. S.N. Ratanjankar
4. Sangeet Sushma I, II, III and ICV.
5. Khyal Darshan _ Pt. Manik Bhua Thakurdas.
6. Rag Parichaya Part- I, II by Harish Chandra.
7. Sitar Malika- Bhagwat Saran Sharma.
8. My Music, My Life_ Ravi Shanker.
9. Sangeet vishard – Vasant

PRACTICAL –II
(Vocal & Instrumental)

i. Hours period Per Week Max. Marks: 40

Prescribed Ragas (Vocal & Instrumental) – Marva, Sohani, Todi, Multani

(A)	Stage performance (Vitambit & Drut Khayl/Vuitambit & Drut Gat of student's choice with Alap & Tan)	20 Marks
(B)	Drut Khayal/Drut Gat with Alap and Tan of Examiner's Choice.	10Marks
(C)	Comprative Study of Ragas-	10 Marks

Helpstudentpoint.com

बी.ए. –भाग तृतीय
भारतीय संगीत (कंठ और वाद्य)

योजना : न्यूनतम अंक –29 अधिकतम अंक : 80

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र – 4 घण्टे प्रति सप्ताह अवधि 3 घण्टे अधिकतम अंक : 80

प्रयोगिक प्रथम व द्वितीय – 10 (6+4) घण्टे प्रति सप्ताह अधिकतम अंक : 120 (80+40)

न्यूनतम अंक : 44

सैद्धान्तिक :प्रश्नपत्र– भारतीय संगीत के सिद्धांत एवं व्यावहारिक ज्ञान (कंठ और वाद्य)

अवधि – 3 घण्टे पूर्णांक – 80

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक :10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक : 40

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे,किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा।दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 30

इकाई– प्रथम

1. पाठ्यक्रम की रागों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. निम्नलिखित तालों को ठेके, दुगुन, तिगुन व चौगुन से लिखना – सूलताल, आड़ाचौताल, पंजाबी, धमार, तीव्रा व रूपक, एकताल, झपताल।
3. पाठ्यक्रम की बंदिशों को स्वरलिपि में लिखना।
4. विश्वविद्यालयों में संगीत शिक्षा के उद्धेश्य।

इकाई– द्वितीय

1. राग वर्गीकरण ऐतिहासिक अध्ययन (मतंग के समय से आधुनिक काल तक)
2. संगीत श्रोता के विशेष गुण (विशेषतायें)
3. पाश्चात्य संगीत के मेजर व माइनर सप्तक
4. भारतीय संगीत और पाश्चात्य संगीत के शुद्ध एवं विकृत स्वरों की आदोलन संख्या।

Helpstudentpoint.com

इकाई– तृतीय

1. निम्नलिखित घरानों का वर्णन –
   आगरा, ग्वालियर, किराना, सेनिया।
2. वर्तमान युग में घरानों की उपयोगिता।
3. निम्नलिखित संगीतज्ञों का संगीत जगत में योगदान–
   पंडित निखिल बैनर्जी, पंडित औंकारनाथ ठाकुर, उस्ताद अली अकबर खां, पंडित एस.एन. रातंजनकर।

इकाई– चतुर्थ

1. समाज में संगीत की उपयोगिता।
2. संगीत क्षेत्र में महिला संगीतकारों का योगदान।
3. समय सिद्धांत की उपयोगिता।
4. राग एवं रस।

इकाई– पंचम

1. लोक संगीत गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब व हरियाण के विशेष संदर्भ में।
2. कलाकार के अच्छे संगीत प्रदर्शन की विशेषता।
3- संगीत के व्यावसायिक आयाम व उपादेयता।
4- संगीत वाद्यों का वर्गीकरण।

नोट– प्रायोगिक प्रथम एवं द्वितीय के प्रश्नपत्र बाह्य एवं आंतरिक परीक्षक की आपसी सहमति से तैयार किया जावेगा।

भारतीय संगीत –कंठ एवं वाद्य – प्रायोगिक प्रथम

अधिकतम अंक– 80 कालांश : 6 घंटा प्रति सप्ताह

पाठ्यक्रम की रागें (कंठ एवं वाद्य)

जयजयवंती, पूर्वी, पटदीप, बसंत, पूरिया, बिहाग, जौनपुरी, शुद्ध सारंग, शुद्ध कल्याण, गौड़ मल्हार व बहार

1.	कोई भी विलम्बित बंदिश/गत और द्रुतख्याल/गत विद्यार्थी की इच्छानुसार गाना बजाना।	अंक 20
2.	विलम्बित बंदिश/ गत और द्रुतख्याल / गत विद्यार्थी की इच्छानुसार	अंक 15
3.	तराना / गत द्रुतलय में परीक्षक की इच्छानुसार।	अंक 15
4.	ध्रुपद, धमार/मीड़, जमजमा, गमक की तैयारी व लयकारी के साथ गाना बजाना	अंक 10
5.	तबले पर तालों के ठेके बजाना। / विद्यार्थी द्वारा अपने वाद्य को (तानपुरा–सितार) मिलाना।	अंक 10
6.	राग आधारित सुगम संगीत की पहचान करना	अंक 05
7.	पाठ्यक्रम की रागो के स्वरों को गाना बजाना।	अंक 05

कंठ संगीत के विद्यार्थियों के लिये –

1. किन्हीं दो रागों में विलम्बित व द्रुत बंदिश आलाप व तानों सहित तैयार करना।
2. किन्हीं चार रागों में मध्यलय, द्रुतलय में बंदिश तैयार करना। जिन रागों में विलम्बित बंदिश तैयार की है, उनसे अलग रागों में तैयार करना।
3. किन्हीं दो रागों में (बंदिशों के अतिरिक्त) ध्रुपद, धमार, दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित तैयार करना।
4. किसी एक राग में तराना।

वाद्य संगीत के विद्यार्थियों के लिये

1. किन्हीं दो रागों में विलम्बित व द्रुत बंदिश आलाप व तानों सहित तैयार करना।

Helpstudentpoint.com

2. किन्हीं चार रागों में मध्यलय– द्रुतलय में द्रुतगत तैयार करना। जिन रागों में विलम्बित बंदिश तैयार की हैं, उनसे अलग रागों में तैयार करना।
3. आलाप, मीड़, कृंतन, जमजमा किन्हीं दो रागों में विशेष तैयारी के साथ।उक्त रागों के अतिरिक्त होंगी।
4. रूपक, झपताल , दादरा, एकताल। ताल में कोई तीन गत तैयारी के साथ।

कंठ विद्यार्थियों के लिये

1. तबले पर चौताल, झूमरा, तिलवाड़ा तालों के ठेके बजाना।
2. तानपुरा, सितार या अपना वाद्य मिलाना।

भारतीय संगीत–कंठ एवं वाद्य–प्रायोगिक द्वितीय

कालांशः 4 घंटा प्रति सप्ताह अधिकतम अंक– 40

पाठ्यक्रम की रागें (कंठ एवं वाद्य) – मारवा, सोहनी, तोड़ी व मुल्तानी

अ. मंच प्रदर्शन (किसी भी राग में, विद्यार्थी की इच्छानुसार बड़ा व छोटा ख्याल/विलम्बित एवं द्रुतगत, आलाप एवं तान सहित) अंक 20

ब. परीक्षक की इच्छानुसार किसी भी राग में एक द्रुत ख्याल/गत अलाप तान सहित। अंक 10

स. रागों का तुलनात्मक अध्ययन अंक 10

Helpstudentpoint.com